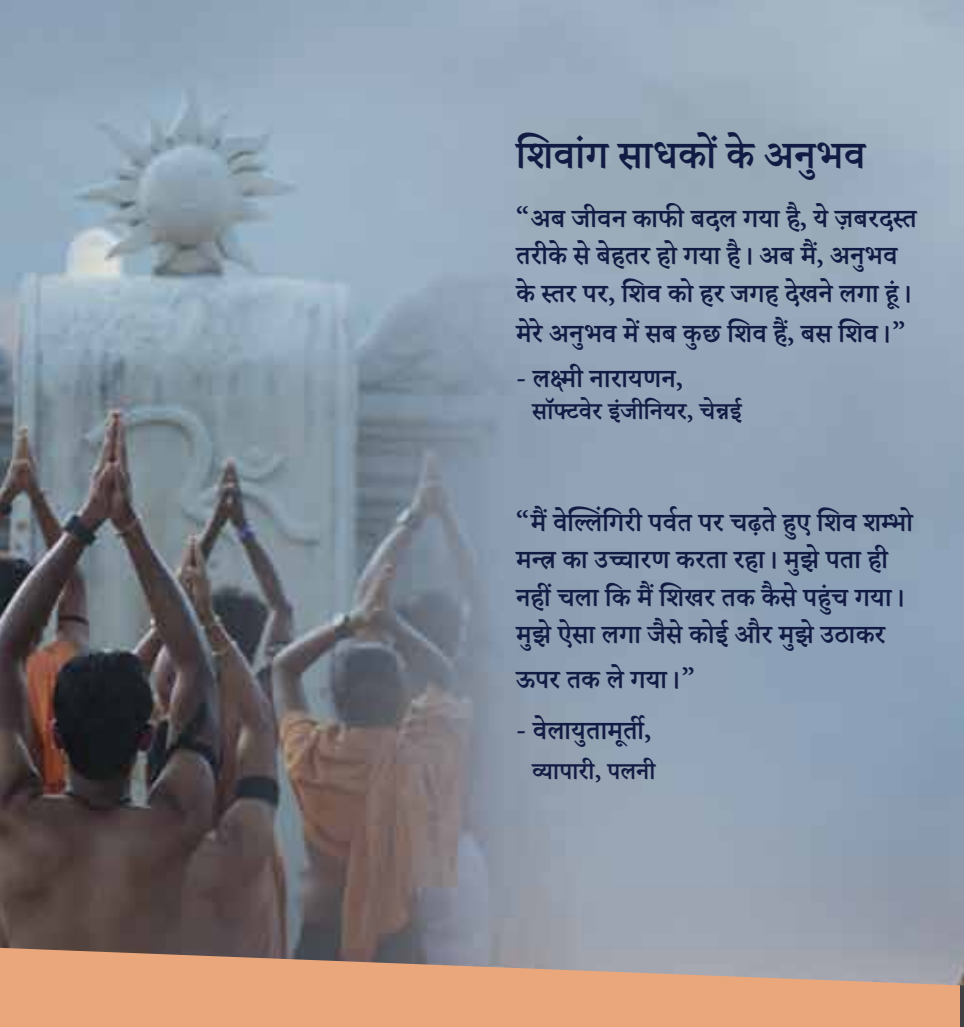

शिवांग साधकों के अनुभव

"अब जीवन काफी बदल गया है, ये ज़बरदस्त तरीके से बेहतर हो गया है। अब मैं, अनुभव के स्तर पर, शिव को हर जगह देखने लगा हूं। मेरे अनुभव में सब कुछ शिव हैं, बस शिव।"

- लक्ष्मी नारायणन,
सॉफ्टवेर इंजीनियर, चेन्नई

"मैं वेल्लिंगिरी पर्वत पर चढ़ते हुए शिव शम्भो मन्त्र का उच्चारण करता रहा। मुझे पता ही नहीं चला कि मैं शिखर तक कैसे पहुंच गया। मुझे ऐसा लगा जैसे कोई और मुझे उठाकर ऊपर तक ले गया।"

- वेलायुतामूर्ती,
व्यापारी, पलनी

83000 83111 | info@shivanga.org | shivanga.org

शिवांग
कृपा का मार्ग

शिवांग साधना आपको इस बारे में जागरूक बनाने के लिए है कि आप शिव के एक अंग हैं। शिव तत्व इस सृष्टि का स्रोत है, और परम संभावना भी है।

- सद्गुरु

शिवांग
कृपा का मार्ग

शिवांग एक 42 दिन की तीव्र साधना है, जिसे शरीर, मन और ऊर्जा के ऊंचे अनुभवों की खोज करने के लिए तैयार किया गया है। इसकी शुरुआत पूर्णिमा से होती है, और समापन ध्यानलिंग पर शिवरात्रि के दौरान होता है, जिसमें एक अर्पण और दक्षिण के कैलाश माने जाने वाले वेल्लिंगिरी पर्वतों की यात्रा शामिल है।

शिवांग साधना में शिव नमस्कार का दैनिक अभ्यास और एक शक्तिशाली मन्त्र शामिल है, जिससे आपकी आध्यात्मिक ग्रहणशीलता बढ़ती है, और भीतरी खोज के लिए एक शक्तिशाली शारीरिक और मानसिक बुनियाद तैयार होती है।

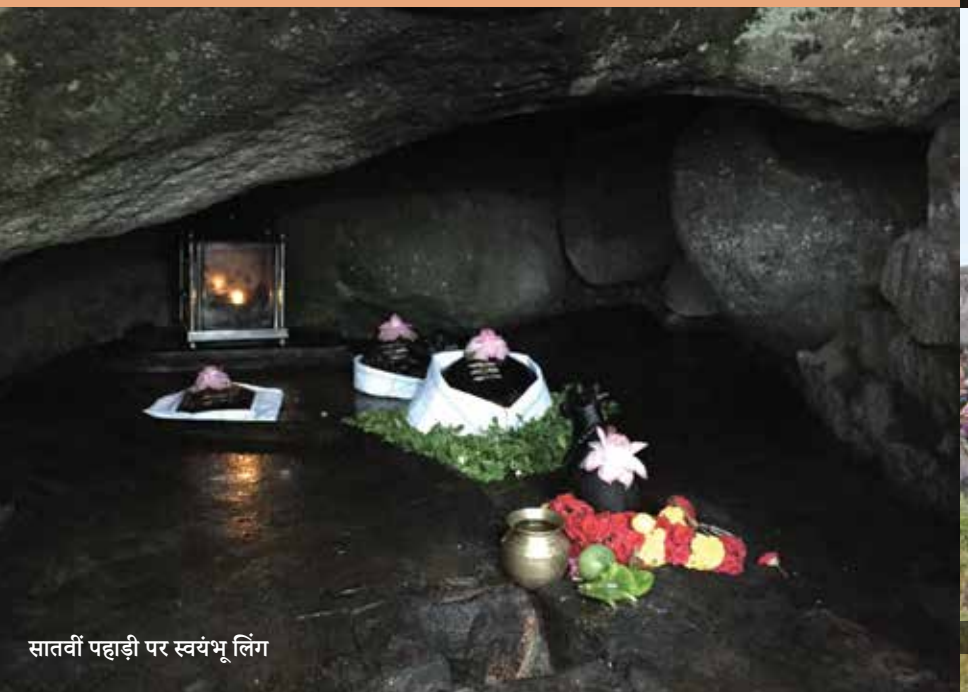

सातवीं पहाड़ी पर स्वयंभू लिंग

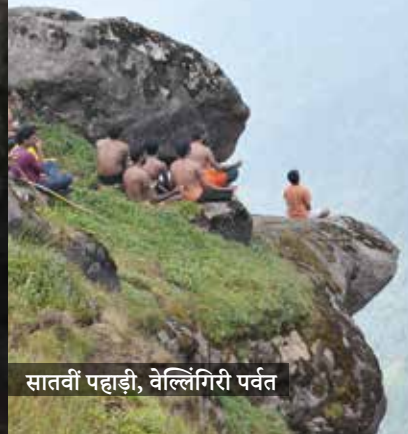

सातवीं पहाड़ी, वेल्लिंगिरी पर्वत

दीक्षा : हर पूर्णिमा के दिन

वेल्लिंगिरी पर्वत को खुद शिव की कृपा प्राप्त हुई थी। बहुत से महान योगियों, सिद्धों और सबसे बढ़कर मेरे दिव्य गुरु ने अपना पवित्र ज्ञान इन शिखरों में संजोया है। जो इंसान खुद को इस कृपा के झरने में भिगो लेता है, वो हर हाल में परम तत्व तक पहुँच जाएगा।

सद्गुरु